श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 1 वर्ष, अंक 59, पृष्ठ 4, मूल्य 1.00

अखण्ड भारत सन्देश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज रविवार, 4 अक्टूबर, 2020

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान की एक अनुपम भेंट

यूपी में होगी नौकरी की गारंटी, हर घर के एक सदस्य को नौकरी देने की तैयारी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जल्द भर्ती प्रक्रिया शुरू करने के दिए निर्देश

लखनऊ, जेएनएन। उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा है कि हर घर में कम से कम एक युवा नौकरीशुदा जरूर हो। इसके लिए सरकार एक नया नियामक आयोग बनाने की तैयारी में है। रोजगार की गारंटी वाले इस प्रस्ताव को अमल में लाने के लिए सरकार संवैधानिक संस्था के रूप में रोजगार आयोग का गठन करने पर विचार कर रही है। इस आयोग के मुखिया रोजगार आयुक्त होंगे। उनका पद मुख्य सचिव के समतुल्य होगा। रोजगार एवं प्रशिक्षण, उद्यिमता विकास, कौशल सुधार, मनरेगा और अलग-अलग विभागों द्वारा कौशल विकास के लिए जारी प्रशिक्षण एवं स्वरोजगार के कार्यक्रम इस आयोग के अधीन होंगे। रोजगार आयुक्त इन सभी विभागों के लिए समन्वयक का काम करेंगे। उन्हें यह अधिकार होगा कि वह रोजगार व कौशल प्रशिक्षण से संबंधित निर्देश किसी सरकारी विभाग, निजी संस्था,

उद्योग या कंपनी को दे सकेगा। इसमें सरकारी सेवा से लेकर गैरसरकारी और निजी क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार शामिल हैं। निजी क्षेत्र में देश और विदेश में उपलब्ध रोजगार के मौके उप्र के युवाओं को उपलब्ध हों, इसके लिए सरकार उनको प्रशिक्षण भी देगी।

प्रस्तावित आयोग प्रदेश में उपलब्ध होने वाले रोजगार के सभी अवसरों पर नजर रखेगा। साथ ही यह भी तय कराएगा कि नियुक्तियां पूरी पारदर्शिता से हों। उद्योगों की जरूरत के अनुसार प्रशिक्षण, प्रशिक्षण के बाद नौकरी या स्वरोजगार के इच्छुक युवाओं को बैंकर्स से समन्वय स्थापित कर सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत ऋण दिलाया जाएगा। विभिन्न देशों के दूतावासों से संपर्क कर वहां उपलब्ध रोजगार के अवसरों के लिए आयोग रोजगार मेलों का भी आयोजन कराएगा। मनरेगा के तहत जिस तरह सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में 100 दिन रोजगार की गारंटी देती है, उसी तरह की गारंटी शहरों और कस्बों में रहने वाले हर परिवार के एक सदस्य को रोजगार देने की होगी। इसके पदेन अध्यक्ष उपमुख्यमंत्री होंगे।

लॉकडाउन के दौरान जब दूसरे प्रदेशों से युवा आए, तब सरकार ने सभी जिलों में स्किल मैड्डषपग कराई। उसी दौरान योगी ने रोजगार आयोग के गठन की बात कही थी। अब इस प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है।

विकास कार्यों को रफ्तार देने का वादा कर चुके मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अब रोजगार देने की दिशा में भी तेजी से कदम बढ़ा रहे हैं। पिछले दिनों खाली पदों पर भर्तियों के लिए विभिन्न बोर्ड और आयोगों के साथ बैठक करने के बाद सरकार ने सरकारी विभागों में खाली पदों का आंकड़ा खंगालना शुरू कर दिया है। सितंबर तक 1,19,608 खाली पदों का ब्योरा जुटाया जा चुका है। लगभग इतने ही पदों पर पदोन्नति भी लंबित है। भर्ती और पदोन्नति की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश योगी ने दे दिए हैं।

उत्तर प्रदेश में विभिन्न मुद्दों के साथ विपक्षी दल बेरोजगारी का मुद्दा भी उठा रहे हैं। इसके जवाब में योगी सरकार ने सरकारी विभागों में भर्तियों के चौतरफा रास्ते खोल दिए हैं। पिछले दिनों मुख्यमंत्री ने भर्ती बोर्ड और आयोगों के प्रमुखों के साथ बैठक की। सभी विभागों में खाली पदों का ब्योरा जुटाने के निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में अब तक विभागों ने खाली पदों का ब्योरा जुटाकर सरकार को भेजा है।

आंकड़े : एक नजर

सीधी भर्ती के खाली पद : 119608
इतने पदों पर होनी है पदोन्नति : 31477
आयोग में लंबित रिक्तियां : 26151

यह हैं प्रमुख विभागों में खाली पद

राजस्व : 20554
परिवहन : 16652
पंचायती राज : 10517
लोक निर्माण : 5534
समाज कल्याण : 2503
खाद्य एवं रसद : 2460
गृह : 2362
आवास : 2183
स्टांप पंजीयन : 3180
कारागार प्रशासन एवं सुधारः 5141

भरण पोषण और गुजारा भत्ता के मामलों में सभी नागरिकों के लिए हो एक जैसी व्यवस्था

नई दिल्ली, पीटीआइ। एक जनहित याचिका में सुप्रीम कोर्ट से भरण पोषण और गुजारा भत्ता के मामलों में सभी नागरिकों के लिए समान आधारों वाली व्यवस्था बनाए जाने की गुजारिश की गई है। याचिका में कहा गया है कि व्यवस्था लैंगिंक एवं धार्मिक रूप से तटस्थ होने के साथ ही संविधान एवं अंतरराष्ट्रीय संधियों के अनुरूप होनी चाहिए। भाजपा नेता एवं वकील अश्विनी कुमार उपाध्याय की ओर से यह जनहित याचिका दाखिल की गई है।

याचिका में सुप्रीम कोर्ट से यह भी गुजारिश की गई है कि वह केंद्रीय गृह एवं कानून मंत्रालयों को निर्देश दे कि वे भरण-पोषण एवं गुजारा भत्ता के आधारों में मौजूदा विसंगतियों को दूर करने के लिए यथोचित कदम उठाएं। नई व्यवस्था धर्म, जाति, नस्ल, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव से परे होनी चाहिए और सभी नागरिकों के लिए एक जैसी होनी चाहिए। याचिका में कहा गया है कि केंद्र सरकार नागरिकों के लिए गुजारा भत्ता के समान आधार मुहैया कराने में विफल रही है।

याचिका में दलील दी गई है कि भरण-पोषण एवं गुजारा भत्ता आजीविका का इकलौता जरिया होता है। हिंदू, बौद्ध, सिख एवं जैन समुदाय के लोगों पर हिंदू विवाह कानून 1955 और हिंदू दत्तक एवं भरण पोषण कानून 1956 लागू होता है। मुसलमानों के मामलों पर मुस्लिम महिला कानून 1986 लागू होता है। ईसाई भारतीय तलाक कानून 1869 और पारसी लोग पारसी विवाह एवं तलाक कानून 1936 के अधीन आते हैं। इनमें से कोई भी कानून लैंगिक रूप से तटस्थ नहीं है। ऐसे में धर्म, जाति, नस्ल, लिंग के आधार पर भेदभाव संविधान के अनुच्छेद-21 के तहत प्रदत्त जीवन के अधिकार अधिकार पर सीधा हमला है। याचिका में भरण पोषण एवं गुजारा भत्ता के कथित भेदभावपूर्ण आधारों को संविधान के अनुच्छेद-14, 15 और 21 का उल्लंघन करार दिए जाने की मांग की गई है। याचिका मांग की गई है कि शीर्ष अदालत विधि आयोग को निर्देश दे कि वह घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय कानूनों की समीक्षा करे और गुजारा भत्ता के समान आधारों पर तीन महीने में रिपोर्ट तैयार करे।

लड़ाई छिड़ी तो भारतीय टैंकों के आगे नहीं टिक पाएंगे चीन के लाइट वेट T-15

लेह/लद्दाख, एएनआइ। पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर चीनी सेना के साथ पांच महीने से ज्यादा समय से गतिरोध जारी है। चीनी सेना ने अपने लाइट वेट टैंकों और तोपों को तैनात किया है जिसके जवाब में भारत ने भी तगड़ी मोचेबंदी की है। भारतीय सेना के टैंक कमांडरों का कहना है कि चीन अपनी मशीनों पर भले ही दम भरता हो लेकिन दुनिया के सबसे ऊंचे युद्ध के मैदान में भारत के टी-90 भीष्म टैंकों के आगे वे टिक नहीं पाएंगे। भारतीय सेना के एक टैंक कमांडर ने कहा कि मेरा मानना है कि यदि मौजूदा स्थिति में लड़ाई हुई और इसमें टैंकों को शामिल किया गया तो चीन के लाइट वेट टैंक भारत के टी-90 और टी-72 का मुकाबला नहीं कर पाएंगे। भारतीय अधिकारी ने रिपोर्टों पर अपनी बात रखी जिनमें कहा गया है कि चीन ने पूर्वी-लद्दाख में एलएसी के दूसरी ओर बड़ी संख्या में अपने लाइट वेट टैंक T-15 तैनात किए हैं। चीनी मीडिया इन टैंकों की तारीफ में कसीदे पढ़ रहा है। उसका कहना है कि इन लाइट वेट टैंकों का ऊंचे इलाके में ऑपरेशन बेहद आसान है। एक अन्य टैंक कमांडर ने कहा कि भारतीय T-90 और T-72 टैंक ज्यादा और बेहद कम तापमान (50 डिग्री से लेकर माइनस 40 डिग्री) के बीच काम कर सकते हैं। मौजूदा वक्त में ये टैंक दुनिया के ऊंचे इलाके में तैनात हैं। उच्च पहाड़ी इलाके में टैंक के प्रदर्शन के बारे में कमांडर ने कहा कि रूसी टी-90 टैंक अत्यधिक ठंड के मौसम में परिचालन के लिए पूरी तरह अनुकूल हैं। भारतीय सेना ने इन टैंकों की तैनाती पूर्वी लद्दाख के कई इलाकों में की है। टी-90 (भीष्म) टैंक में लगी एंटी एयरक्राफ्ट गन 2 किमी की रेंज में अचूक निशाना लगाकर हवाई हमले से इसकी रक्षा करती है।

भाजपा सरकार ने किसानों को बिचौलियों और दलालों के चंगुल से बचाया : स्मृति ईरानी

स्मृति ईरानी सर्किट हाउस में लोगों से मुलाकात के बाद दोपहर में सब्जी अनुसंधान केंद्र शाहंशाहपुर पहुंचीं

वाराणसी, जेएनएन। केंद्रीय कपड़ा मंत्री स्मृति ईरानी सर्किट हाउस में लोगों से मुलाकात के बाद दोपहर 2.30 बजे सब्जी अनुसंधान केंद्र शाहंशाहपुर पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने अनुसंधान केंद्र द्वारा विकसित की गई सब्जी की प्रजातियों पर आधारिक प्रदर्शनी का अवलोकन कर उनकी विशेषके बारे में भी जानकारी हासिल की। वहीं परिसर में कृषि वैज्ञानिकों के लिए निर्मित अत्याधुनिक लैब का भी जायजा लिया। इसके बाद उन्होंने क्षेत्र के चयनित प्रगतिशील किसानों से बातचीत कर उनके अनुभव सुने और उनकी मांगों के लिए अधिकारियों को निर्देशित भी किया।

शाक भाजी प्रदर्शनी और लैब का अवलोकन करने के बाद सब्जी अनुसंधान संस्थान के स्थापना दिवस समारोह का केंद्रीय मंत्री ने विधिवत उद्घाटन करते हुए सब्जी उत्पादन में संस्थान की महत्ता पर प्रकाश डाला। इस दौरान क्षेत्र के प्रगतिशील किसानों संग स्मृति ईरानी से संवाद किया और किसानों को मिलने वाली सुविधाओं और समस्याओं से भी संवाद के दौरान अवगत हुईं। उन्होंने किसानों के लिए वाराणसी में सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बारे में भी अवगत कराया।

सब्जी अनुसंधान संस्थान में केंद्रीय कपड़ा मंत्री स्मृति ईरानी ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस ने हमेशा किसानों को लूटा है। शहंशाहपुर स्थित भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने किसानों से संवाद करते हुए बताया कि पीएम और वाराणसी के सांसद नरेंद्र मोदी ने किसानों को आर्थिक रुप से आजाद किया है। किसानों को बिचौलियों और दलालों के चंगुल से बचाया है। इसीलिए किसान बिल को लेकर कांग्रेस तिलमिला रही है। वहीं किसान बिल की खसियत और इसका किसानों को किस प्रकार फायदा होगा आदि की जानकारी भी दी।

किसानों द्वारा लगायी गई सब्जियों की प्रदर्शनी देखती स्मृति ईरानी

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान शाहंशाहपुर में आयोजित किसान संवाद से पहले किसानों द्वारा वहां लगाई गई प्रदर्शनी को देखा। इस दौरान एफपीओ, कृषि यंत्र तथा भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान द्वारा विकसित की गई विभिन्न प्रजाति की सब्जियां प्रदर्शनी हेतु लगाई गई थी। उन्होंने काला धान और उससे उत्पादित चावल की सराहना की। चिरईगांव के किसान रामनारायण द्वारा लगाई गई केले की प्रजाति के बारे में पूछा। साथ ही नवीन कृषि यंत्रों को देखकर किसानों के लिए मददगार बताया।

स्टाल प्रदर्शनी के दौरान क्षेत्र के पनियरा गांव के किसान सत्य प्रकाश दुबे ने स्मृति ईरानी से मिलकर जिला कृषि विभाग द्वारा कृषक प्रमाण पत्र न मिलने की शिकायत की। सत्य प्रकाश दुबे ने स्मृति ईरानी से कहा कि कृषक प्रमाण पत्र न मिलने के कारण किसानों का एफपीओ गठित नहीं हो पा रहा है। इस पर स्मृति ईरानी ने तत्काल प्रकरण जिलाधिकारी वाराणसी को संदर्भित करते हुए कृषक प्रमाण पत्र बनाने का निर्देश दिया। आसपास के कुछ किसान स्मृति ईरानी से मिलकर अपनी समस्या बताना चाह रहे थे जिनके सुरक्षा कर्मियों ने मिलने नहीं दिया। विरोध के कारण रास्ते में भी जगह जगह काफी संख्या में पुलिस फोर्स लगाई गई थी।प्रदर्शनी के दौरान काला चावल देखकर स्मृति ईरानी ने किसानों से उसके बारे में काफी उत्सुकता से पूछा और कहा कि भैया आप लोग अमेठी आइए और हमारे यहां भी किसान भाइयों को इसके बारे में बताइए। किसानों ने बताया कि करीब 50 किसान काला चावल का उत्पादन कर रहे हैं। साथ ही शिवांश एफपीओ द्वारा हरी मिर्च पाउडर का पेटेंट रजिस्टर कराने पर बधाई दी। इसके अलावा सब्जी अनुसंधान द्वारा लगाई गई सब्जियों की अलग अलग प्रजातियों की काफी सराहना की।

चीन से जारी तनाव के बीच, अंडमान में दिखा अमेरिकी सैन्य विमान

पोर्ट ब्लेयर, एएनआइ। चीन से जारी तनाव के बीच अमेरिका और भारत की दोस्ती के अलग अलग रंग भी नजर आ रहे हैं। समाचार एजेंसी एएनआइ के मुताबिक, अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण भारतीय सैन्य बेस पर पिछले दिनों अमेरिकी नौसेना का एंटी-सबमरीन युद्धक विमान पी-8 पोजेडॉन देखा गया। अमेरिका और भारत के बीच हुए रक्षा समझौते के तहत अमेरिकी विमान को यहां ईंधन एवं अन्य सहयोग उपलब्ध कराया गया। अमेरिका और भारत 2016 में हुए समझौते के तहत एक-

दूसरे के सैन्य विमानों को ईंधन एवं अन्य सहयोग देते हैं। हालांकि विश्लेषकों की मानें तो वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीन से चल रहे तनाव के बीच अमेरिकी युद्धक विमान का भारतीय सैन्य बेस पर आना खास मायने रखता है। मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए भारत कई देशों से सैन्य सहयोग बढ़ाने की दिशा में प्रयासरत है। बोइंग पी-8 एक मल्टी-मिशन एयरक्राफ्ट है। इसका इस्तेमाल एंटी-सबमरीन, एंटी-सर्फेस, इंटेलीजेंस, सर्विलांस और राहत एवं बचाव कार्यों में किया जाता है। पी-8 के दो वैरिएंट हैं। इनमें से पी-8आइ का इस्तेमाल भारतीय नौसेना करती है और पी-8ए पोजेडॉन का प्रयोग अमेरिकी नौसेना करती है।

हाल ही में भारतीय युद्धपोत आईएनएस तलवार ने पूर्व के रक्षा समझौते के प्रावधानों का इस्तेमाल करते हुए उत्तरी अरब सागर में अमेरिकी नौसेना के टैंकर यूएसएनएस यूकोन से ईंधन भरा था। यह समझौता दोनों देशों की सेनाओं को मरम्मत और ईंधन के लिए एक दूसरे के ठिकानों का इस्तेमाल करने और गहन सहयोग की इजाजत देता है। भारत ने फ्रांस, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया और जापान के साथ इसी तरह के समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। बीते जुलाई में भारतीय नौसेना ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के तट पर अमेरिकी नौसेना के साथ सैन्य अभ्यास भी किया था। उल्लेखनीय है कि पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर भारत और चीन के बीच तनाव बरकरार है। दोनों देशों की सेनाओं ने अपने सैनिकों और सैन्य साजोसामान सीमा पर तैनात किए हैं। चीन अपनी सेना को पीछे हटाने को तैयार नहीं है। वहीं भारत का कहना है कि चीन इलाके को बदलने की कोशिश कर रहा है। अमेरिका ने भी भारत के आरोपों पर मुहर लगाते हुए चीन को ऐसी कोशिशों से बाज आने को कहा है। अमेरिका का कहना है कि चीन अपनी विस्तारवादी नीति को अमली जामा पहनाने के लिए लद्दाख में ऐसी हरकतें कर रहा है।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील की संभावना पर संशय

ट्रंप के कोरोना पोजिटिव होने से दोनों देशों के समझौते पर फिरा पानी

जयप्रकाश रंजन, नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से पहले वहां जिस तरह की राजनीतिक अस्थिरता बनी है उसे देखते हुए अब भारत व अमेरिका के बीच सीमित दायरे के कारोबारी समझौते की संभावना क्षीण हो गई है। भारत सरकार के जो प्रतिनिधि एक पखवाड़े पहले तक कारोबारी समझौते होने की संभावना जता रहे थे वह भी मान रहे हैं कि अब नई सरकार के आने के बाद ही आसार हैं। जानकार बता रहे हैं कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कोरोना पोजिटिव होने की वजह से ट्रेड डील के आसार पर पानी फिर गया है। भारत अपनी तरफ से मसौदे को तैयार कर चुका है और इस बारे

में अमेरिकी सरकार को सूचना भी दी जा चुकी है। फैसला अमेरिकी सरकार को करना है। दैनिक जागरण ने सीमित दायरे वाले कारोबारी समझौते (लिमिटेड ट्रेड डील) से जुड़े भारत व अमेरिकी पक्षों से बात की है। दोनो तरफ के प्रतिनिधियों का कहना है कि दो हफ्ते पहले तक समझौते को लेकर जो संभावना थी वह राष्ट्रपति ट्रंप के कोरोना पोजिटिव होने की वजह से लटक गई है। क्योंकि इस समझौते को राष्ट्रपति ट्रंप का मजबूत समर्थन हासिल है। तैयारी यह थी कि अभी इस सीमित समझौते को अंतिम रूप दिया जाए और फिर बाद में नई सरकार के आने के बाद व्यापक ट्रेड समझौते को आगे बढ़ाया जाए।

यह पूछे जाने पर कि क्या ट्रेड डील की संभावना पूरी तरह से खत्म है, इस पर भारतीय पक्ष से जुड़े अधिकारियों ने कहा कि, "अब मुश्किल दिख रहा है। लेकिन अगर राष्ट्रपति ट्रंप जल्द से स्वस्थ्य हो जाते हैं तो कुछ कहा भी नहीं जा सकता।" दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति की यह इच्छा थी कि वह चुनाव से पहले कम से कम एक ट्रेड डील की सफलता का सेहरा अपने सर बांधे। राष्ट्रपति ट्रंप ने पीएम मोदी की सितंबर, 2019 की वाशिंगटन यात्रा और उसके बाद अपनी फरवरी, 2020 की भारत यात्रा के दौरान भी इस समझौते को अंतिम रूप देने को लेकर दबाव बना रहे थे।

ट्रंप प्रशासन की चीन के साथ ट्रेड समझौता होने की संभावना पहले ही खत्म हो चुकी है। भारत के साथ बातचीत पूरी हो चुकी है और अब सिर्फ तिथि तय करके दोनो तरफ के वाणिज्य मंत्रियों की तरफ से हस्ताक्षर होने की देरी थी। अमेरिकी पक्ष का कहना है कि प्रस्तावित समझौते में कुछ ऐसे प्रावधान है जिससे अमेरिका के लिए भारत में 10 अरब डॉलर का बाजार खुलने का रास्ता साफ होता। इस समझौते को अमेरिकी राष्ट्रपति अपनी बड़ी उपलब्धि के तौर पर पेश करने की भी तैयारी में थे। बहरहाल, अब इसकी संभावना क्षीण दिखती है।

बताते चलें कि इस समझौते में भारत को भी अमेरिका की तरफ से दोबारा जेनरेलाइज्ड सिस्टम ऑफ प्रीफेरेंस (जीएसपी) की सुविधा बहाल करने की बात है। इससे भारत को अमेरिका को तकरीबन 6.5 अरब डॉलर के निर्यात का रास्ता खुलता। पिछले दिनों उद्योग व वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने यह जानकारी दी थी कि भारत की रफ से बहुत ही संतुलित मसौदा दिया गया है और अब समझौता का रूख अमेरिकी प्रशासन पर निर्भर है।

केंद्रीय मंत्री वी मुरलीधरन ने विपक्ष को लगाई फटकार कहा- किसानों के जीवन के साथ कर रहे खिलवाड़

तिरुवनंतपुरम, पीटीआई। केंद्रीय मंत्री वी मुरलीधरन ने शनिवार को फार्म बिलों के खिलाफ अभियान के लिए विपक्ष को फटकार लगाई और कहा कि कांग्रेस और वामपंथी दल किसानों के जीवन और आजीविका के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने कृषि क्षेत्र में सुधार करके और आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने वाले दो विधानों को पारित करके किसानों के लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित किया, उन्होंने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बताया। मोदी सरकार ने किसानों को बिक्री-बिंदुओं पर सीमाओं से मुक्त कर दिया और कृषि उपज पर सुनिश्चित रिटर्न सुनिश्चित करने के लिए एक फार्मवर्क बनाया।

हमारी सरकार कृषि को आत्मनिर्भर और पारिश्रमिक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। हम एक सशक्त किसान के लिए हैं। विदेश राज्य मंत्री ने कहा, सत्तारूढ़ एलडीएफ और विपक्षी कांग्रेस के आरोपों के कारण केरल में कृषि बिलों पर यूडीएफ का नेतृत्व किया, मंत्री ने कहा कि कृषि सुधारों ने किसानों को बिचौलियों के झगड़े से मुक्त किया और निहित किया मंडियों में हितों, बिक्री, भंडारण, परिवहन सुविधाओं और उपज की कटाई पर प्रतिबंधों में ढील दी।

संसद में वाम गठबंधन के झूठे प्रचार और उनके गैरजिम्मेदाराना व्यवहार को निराधार बताते हुए उन्होंने कहा कि सुधारों के लिए सीपीआई (एम) के सांसदों का विरोध करना एक स्टंट था क्योंकि वे किसानों पर कोई प्रभाव नहीं डाल सकते हैं। केरल, जहां कोई एपीएमसी नहीं है। भारतीय किसान कांग्रेस और वामपंथियों के चालबाजसे प्रभावित नहीं है, उन्होंने कहा कि किसानों को सुधारों के इरादों को समझा और उनका स्वागत किया। किसान से प्रायोजक के लिए बाजार की अप्रत्याशितता के जोखिम को स्थानांतरित करके, मंत्री ने कहा कि सुधार उपाय बीमा के रूप में कार्य करता है और किसानों को मूल्य में उतार-चढ़ाव से बचाता है।

ग्रामीण अंचल

प्रयागराज रविवार, 4 अक्टूबर, 2020

संक्षेप समाचार

आम आदमी पार्टी कार्यालय पर मनी गांधी जयंती

सहसों। दो अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी व देश के द्वितीय प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के अवसर पर आम आदमी पार्टी फूलपुर विधानसभा कार्यालय सहसों पर सायंकाल 4 बजे दोनों महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सभा की अध्यक्षता आम आदमी पार्टी के विधानसभा महासचिव शशांक द्विवेदी ने करते हुए कहा गांधी जी ने सत्यए अहिंसा की राह पर चल कर देश को आजादी दिलाई तथा सर्वधर्म समभाव हो आगे बढ़ाते हुए समान नागरिक सम्मान के लिए जीवन पर्यंत सुधार करते रहे उनके विचार आज भी समाज के लोगों के लिए प्रेरणा स्रोत बने हुए हैं। उन्होंने कहा सादगी व ईमानदारी की प्रतिमूर्ति भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने जय जवान जय किसान के नारे के साथ किसानों की आर्थिक सुधार के साथ उनकी दशा एवं दिशा पर ध्यान देने के लिए कार्य किए। कार्यक्रम मे फूलपुर विधान सभा के संगठन मंत्री विनय पांडेय, उपाध्यक्ष रंगलाल पटेल, अनुपमा श्रीवास्तव, प्रमोद, अनुराग धर द्विवेदी, मोहन यादव, खलील अहमद, विकास पांडेय व सदस्य एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुलिस मुठभेड़ में इनामिया बदमाश घायल, गिरफ्तार

प्रतापगढ़ के जेठवारा, प्रयागराज के मऊआइमा में लूट, हत्या की कोषिष समेत कई मामले में दर्ज हैं मुकदमे

- नवाबगंज में पुलिस बदमाश के बीच हुए मुठभेड़ में प्रतापगढ़ का इनमियां बदमाश गिरफ्तार
- घायल बदमाश को अस्पताल में कराया गया भर्ती
- वांक्षित इनमियां बदमाश को थी पुलिस को तलाश, नवाबगंज हाइवे मार्ग पर मुठभेड़ के दौरान हुआ घायल

मुठभेड़ में गोली लगने से घायल बदमाश व संयुक्त टीम

नवाबगंज। हड़िया-कोखराज पर नेषनल हाइवे से बाइक द्वारा भाग रहे वांक्षित बदमाष द्वारा पीछा कर रही क्राईम ब्रांच एवं पुलिस की संयुक्त टीम पर फायर करने लगा। संयुक्त टीम एवं बदमाष के बीच मुठभेड़ हो गया। मुठभेड़ के दौरान संयुक्त टीम द्वारा जवाबी फायरिंग में बदमाष के पैर में गोली लगने से घायल हो गया। जिससे बदमाष हाइवे मार्ग पर गिर गया। पुलिस एवं बदमाश के बीच हुए मुठभेड़ के बाद घायल बदमाश को अस्पताल में दाखिल कराते हुए पुलिस बदमाश से चोरी की बाइक एवं तमंचा एवं कारतूस बरामद किया है। मामला नवाबगंज इलाके की है।

शुक्रवार देर सायंकाल नवाबगंज पुलिस एवं क्राइम ब्रांच मुखबिर की सूचना पर हड़िया-कोखराज नेशनल हाइवे मार्ग पर संदिग्ध बदमाश की चेकिंग कर रही थी। पुलिस चेकिंग देख बाइक से वांक्षित बदमाश कोखराज की तरफ फायरिंग करते हुए भागने लगा। फायरिंग के बाद नवाबगंज पुलिस एवं क्राइम ब्रांच ने पीछा करते हुए बदमाश का पीछा कर लिया गया। पीछा कर रही पुलिस टीम पर फिर बदमाश ने तमंचे से फायर कर दिया। पुलिस टीम की जवाबी फायरिंग में बदमाश के पैर में गोली लग जाने से वह जमीन पर बाइक से गिर गया। जिसके बाद नवाबगंज पुलिस एवं क्राइम ब्रांच टीम ने घायल बदमाश सद्दे उर्फ रिजवान पुत्र बदरूद्दीन निवासी पलहान थाना मांधाता जनपद प्रतापगढ़ के पास से एक अदद 315 बोर तमंचा, 2 अदद जिंदा कारतूस एवं एक खोखा के साथ चोरी की बाइक बरामद की। जिसके बाद पुलिस ने घायल बदमाष को उपचार के लिए अस्पताल ले गई।

मुठभेड़ के दौरान पकड़े गए बदमाश पर लूट, हत्या का प्रयास समेत कई मामले में था वांक्षित अपराधी

क्राइम ब्रांच एवं नवाबगंज पुलिस की संयुक्त टीम एवं बदमाष के बीच हुए मुठभेड़ में पकड़ा गया सद्दे उर्फ रिजवान के खिलाफ लूट, हत्या के प्रयास एवं विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के मामले में प्रयागराज के मऊआइमा थाने में तीन मुकदमे पंजीकृत है। वहीं प्रतापगढ़ जनपद के जेठवारा थाने में लूट का मामला दर्ज है। पुलिस मुठभेड़ में पकड़ा गये बदमाष षातिर एवं वांक्षित था। जिसकी पुलिस को तलाष थी। आखिरकार षुक्रवार को नवाबगंज पुलिस एवं क्राइम बांच की संयुक्त टीम द्वारा मुठभेड़ के दौरान धर दबोचा। पुलिस पकडे.गये बदमाष के खिलाफ अभियोग पंजीकृत करते हुए कार्रवाई की है।

गीत प्रस्तुत करते कलाकार

भारतीय स्टेड बैंक में सोशल डिस्टेसिंग की उड़ी धज्जियां

सिरसा। नगर पंचायत सिरसा स्थित भारतीय स्टेट बैंक में भारी भीड़ जुट रही है। सुबह से ही कतारबद्ध तरीके से लोग पैसा निकलवाने लिए पहुंच रहे हैं लेकिन उन्हे कोरोना का जरा भी भय नही है। बगैर मास्क तथा सामाजिक दूरी का न पालन करते हुए आपाधापी में लोग एक दूसरे से चिपक कर खड़े हैं। जबरदस्त भीड़ के कारण लोग एक दूसरे से मारपीट भी कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर सिरसा पुलिस चौकी के एक सिपाही की ड्यूटी लगा दी जाए तो मारपीट की नौबत ना आए और लोग सोशल डिस्टेंस और मास्क लगाकर पहुंचे लेकिन सिरसा पुलिस कर्मियों को जैसे इस मामले की जानकारी ही नहीं है। जहां एक तरफ प्रशासन तमाम प्रकार के हथकंडे अपना कर कोरोना महामारी से बचाव के तरीके ढूंढ रही है वहीं नगर पंचायत सिरसा में ठीक उसके उलट भारतीय स्टेट बैंक में सोशल डिस्टेंस की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। सिरसा पुलिस चौकी इंचार्ज कि लापरवाही और गैर जिम्मेदारी से कभी भी कोई घटना हो सकती हैं। जहाँ एक तरफ सरकार कॅरोना महामारी बीमारी के बचाव के तमाम तरीके से लोगो को जागृत कर रही है। वहीं सिरसा पुलिस चौकी इंचार्ज पब्लिक प्लेस पर कोई सिपाही कि डियूटी नही लगाए हैं। और न ही सिरसा मार्केट में गश्त किया जाता है। इतना बड़ा सिरसा मार्किट है सुरक्षा के नाम पर व्यपारियो को कोई सुरक्षा नही दिया गया है। इस परिस्थिति और समस्या से ब्यपरिओ में सुरक्षा के प्रति भय बना हुआ है।जो कभी भी कोई घटना का दवाद दे सकता है। जिससे व्यपारियो में प्रशासन के प्रति आक्रोश बना है।

बैंक में जुटी ग्राहकों की भीड़

लोक मंगल संस्थान में कवि कलाकारो ने बांधी समां

करछना। अपनी माटी में छुपी गवई प्रतिभाओं निखारने और लोक कलाओ को जीवंत बना रहे रामपुर स्थित लोकमंगल संस्थान में जुटे लोक कलाकार और कविओ ने खूब समां बांधी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोक कवि राम लखन शुक्ल, अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी मोहन लाल पाण्डेय ने की। त्रिभुवन नाथ गौड़ द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना के उपरांत युवा कलाकार सत्यवान कुमार के चरखागीत, हम तो चरखा से लेबइ सुराज, हमार कोई का करिहैं ने खूब समां बांधी।बचउलाल यादव,रामबाबू यादव, रामभोर मिश्र ने पारंपरिक गीतों की प्रस्तुतियों पर खूब तालियां बटोरी तो वहीं मोहिनी श्रीवास्तव के सोहर और पूजा गीतों ने अपने संस्कार संजोने पर बल दिया। संस्थान के निदेशक डॉ0 भगवत पाण्डेय ने कहा कि जमुनापार की माटी में ऐसी अनेको प्रतिभाएं है जो अपनी परंपरा और संस्कार को संजोने के लिए आगे आ रहें है। उन्होने लोक कालाओ को जीवंत रखने के लिए लोक मंगल संस्थान से जुड़ने पर बल दिया। वरिष्ठ लोककवि रामलोचन सांवरिया ने नवोदित कलाकारो को माटी के खाटी गीतों को सीखने और इन्हे संजोने के लिए कई गुर बताये। कवि रामलखन शुक्ल, जितेन्द्र जलज, नजर इलाहाबादी, सबरेज अहमद ने अपनी कविताओं के माध्यम से परंपराओं को संजोने का संकल्प लिया। इस मौके पर दिव्यांग गरीब को सम्मानित भी किया गया। संचालन वरिष्ठ गीतकार राजेन्द्र शुक्ल ने किया। इस दौरान डॉ0 व्यजंना पाण्डेय, श्यामलाल बेगाना, राजेश शुक्ल, योगेन्द्र शुक्ला, वेद श्रीवास्तव, रिंकू सिंह, फूलचन्द्र यादव, मोनू मस्ताना, इन्द्रजीत, तीरथराज पाड़ेय, नारायण दत्त तिवारी, पंचमलाल यादव,हास्य कवि अशोक बेशरम, विपिन परिहार, मानिक चन्द्र ओझा सहित कई कवि, कलाकार, समाजसेवी मौजूद रहे।

बाइक सवार बोलेरो के आया चपेट में, घायल

घूरपुर। क्षेत्र के इरादतगंज में बोलेरो की चपेट में आने से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने पास के अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया है। बोलेरो मौके से भाग निकली। घूरपुर क्षेत्र के लोदरा बुदावा गांव निवासी रमेश पटेल (30)पुत्र राम बाबू शनिवार की शाम बाइक से शहर से वापस अपने घर जा रहा था कि इरादतगंज बाजार में पहुचने पर जा रही बोलेरो को ओवरटेक करते समय बोलेरो से टकरा कर गिर गया। जिससे गंभीर रूप से घायल हो गया।

देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने मे किसानों का अहम रोल : प्रो.रीता बहुगुणा जोशी

शंकरगढ़। देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने मे किसानो का अहम रोल होगा। इससे देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी किसानों के आर्थिक आजादी के साथ आय दोगुनी करने के उद्देश्य से मोदी सरकार ने स्वामिनाथन रिपोर्ट के आधार पर किसानों के हितों के लिए कृषि संसोधन विधेयक लाकर देश के किसानों के हाथ मजबूत किए है। विपक्ष के पास मुद्दा नही बचा तो किसानों को गुमराह करके भड़का रहे हैं। विरोध मे किसान कम विपक्षी राजनीतिक दल के लोग ज्यादा होते है। हम सब भाजपा के कार्यकर्ता जनप्रतिनिधि किसानों को घर-घर जाकर मीडिया,सोशल मीडिया के माध्यम से जागरूक करेगें। उक्त बातें प्रयागराज की सांसद प्रो.रीता बहुगुणा जोशी ने कृषि विधेयक संगोष्ठी के वर्चुअल सभा को प्रयागराज यमुनापार के विधायक,जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों व जन प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए कही। कार्यक्रम को विधायक बारा डॉ. अजय कुमार व कोरांव विधायक राजमणि कोल ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम मे जिलाध्यक्ष विभवनाथ भारती भी जुडे.। अध्यक्षता जिलाउपाध्यक्ष शोभनारायण द्विवेदी ने किया व संचालन जय सिंह पटेल ने किया। आभार किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष रत्नाकर सिंह पटेल ने व्यक्त किया। आगे के कार्यक्रम हेतू विजय शंकर शुक्ला, अजीत प्रताप सिंह, दिलीप कुमार चतुर्वेदी, सुरेश शुक्ला आदि को नई जिम्मेदारियां दी गई है। कार्यक्रम मे मुख्य रूप से शशिकांत तिवारी, राजेश शुक्ला, विनोद प्रजापति, रामेश्वर पटेल,सविता त्रिपाठी, विक्रमादित्य मौर्य आदि रहे।

शिवमंदिर में हुआ भगवान शिव का जलाभिषेक

सहसों। अधिक या पुरूषोत्तम मास में भक्त भगवान शंकर का जलाभिषेक पूजा अर्चना के अतिरिक्त घर या मंदिरों में यथाशक्ति रुद्राभिषेक का आयोजन भी करते हैं। शनिवार के दिन क्षेत्र के राम जानकी मंदिर परिसर में स्थित शिव मंदिर बस महुआ मंदिर में सुबह से ही भक्त नर नारियों ने श्रद्धा पूर्वक भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक, दुग्ध अभिषेक के साथ फूल मालाओं से भव्य श्रृंगार कर मनोकामनाओं की पूर्ति हेतु पूजा अर्चना की। इसी क्रम में क्षेत्र के बसमहुआ गांव में चिंतामणि शुक्ल द्वारा पार्थिव शिवलिंग का विधि विधान से रुद्राभिषेक किया गया। इस मौके पर आचार्य पंडित दिनेश तिवारी ने शिवजी की महिमा का बखान करते हुए शनिवार के दिन पीपल के वृक्ष की पूजा अर्चना का महत्व बताते हुए कहा कि पीपल के वृक्ष में सभी देवताओं का वास होने के कारण इनकी पूजा शनिवार के दिन अवश्य करनी चाहिए । जिसका वर्णन पुराणों में भी मिलता है। इसके अतिरिक्त श्रीमद भगवत गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने पीपल के वृक्ष की विशेषता बताते हुए कहा है कि पीपल के मूल में ब्रह्मा जी एमध्य में विष्णु जीए अग्रभाग में भगवान शिव जी साक्षात रुप में विराजित हैं।

मऊआइमा में अनगिनत चोरी की घटनाएं लूट हत्या का आज तक नहीं हुआ खुलासा

मऊआइमा। मऊआइमा क्षेत्र में अनगिनत चोरी की वारदातें और लूट तथा शाखा प्रबंधक की हत्या का पुलिस खुलासा करने में नाकाम रही है ।जिससे आम जनमानस का पुलिस पर से विश्वास उठ गया है ।

मऊआइमा क्षेत्र में छोटी बडी चोरी की घटनाएं आम हो चुकी है। बारह माह पूर्व बांकाजलालपुर स्थित इलाहाबाद बैंक के शाखा प्रबंधक अनिल दोहरे की बैंक जाते समय मरखामाऊ उसरा में हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने इस हत्या कांड में कुछ को जेल तो भेज दिया परन्तु असली आरोपी को आज तक नहीं पकड सकी है।न ही हत्या का कारण ही पता लगा सकी है। इसी तरह ग्राम मरखामाऊ निवासी रामनाथ सब्जी बिक्रेता को गोली मार कर हजारों रूपया की लूट । ग्राम हरिसेनगंज निवासी प्रेम चन्द्र की पिकअप घर के सामने खडी थी चोर उडा ले गए। ग्राम अमानगंज निवासी एजाज अहमद की ट्रक फोर लेन सडक पर खडी थी जिसे मनबढ़ चोर चोरी कर ले गए । इसी प्रकार ग्राम जोगापुर निवासी राजेन्द्र कुमार पटेल की ट्रक घर के सामने खडी थी चोर गायब कर दिए।ग्राम टिकरी निवासी राज कुमार की बाइक ब्लाक बाजार से चोर उडा ले गए। ग्राम छीतेमऊ वाजिदपुर निवासी शहरुख की बाइक घर के बरामदे से चोरी।ग्राम बरईपुर निवासी अखिलेश सिंह की बाइक ग्राम कहली से चोरी ।ग्राम वाजिदपुर निवासी जगलाल पटेल के घर में सेंधमारी करके लाखों की चोरी ।ग्राम किरांव और खानपुर विधालयों से हजारों की चोरी।ग्राम सुलतानपुर खास से मोबीन की बाइक एक प्राइवेट अस्पताल से चोरी ।ग्राम चक श्याम उर्फ पूरे हिंचा स्थित विधालय का ताला तोड़कर चोर पचास हजार नगदी सहित अनेकों प्रकार के कीमती सामान चोर चोरी कर ले गए। इसी प्रकार अनेकों स्थानों पर चोरी की हुई वारदातों में से एक का भी पुलिस आज तक खुलासा नहीं कर सकी है ।जिस से आम जनमानस का पुलिस पर से विश्वास उठ गया है।

आबकारी विभाग में नौकरी के नाम पर शातिरों ने युवक से हजारों रुपए उड़ाए

नैनी। औद्योगिक क्षेत्र स्थित चक पुरे खुर्द, मियां का पुरा गांव के रहने वाले एक युवक को फेसबुक पर आबकारी विभाग में नौकरी दिलाने का लालच देकर शातिरों ने हजारो रूपए ठग लिए। भुक्तभोगी ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए पुलिस को तहरीर दी है। जानकारी के मुताबिक औद्योगिक क्षेत्र स्थित चक पुरे खुर्द, मियां का पुरा गांव निवासी राहुल गिरि पुत्र नागेश्वर गिरि के फेसबुक अकाउंट पर बीते दो माह पूर्व आबकारी विभाग में नियुक्ति की एक फेक पोस्ट डाली गई। जिसे पढ़कर उसने आवेदन कर दिया। 15 सितम्बर को पोस्ट के जरिये उसका नियुक्ति पत्र भी घर के पते पर भेज दिया गया। उसमें दिए गए फोन नंबर पर राहुल ने फोन किया तो किसी हिमांशी वर्मा नामक महिला से उसकी बात हुई। जिसने नियुक्ति पत्र के नाम पर रजिस्ट्रेशन शुल्क 22 सौ रुपये जमा करने को कहा। जिसे उसने खाते में जमा कर दिया। दो दिन बाद फोन किया तो सुरक्षा शुल्क के नाम पर 15 हजार रुपये जमा करा लिया गया। दो दिन बाद उसने फोन किया तो बताया गया कि वैरीफिकेशन अधिकारी घर पर जाएंगे, लेकिन कोई नहीं आया। राहुल ने फिर फोन किया तो उससे छह हजार रुपये जमा कराए गए। उसके बाद भी राहुल को कोई नौकरी नहीं मिली और न ही कोई अधिकारी घर पर आया। जब उसने फिर फोन किया तो वैरीफिकेशन अधिकारी बनकर किसी ने उसे फोन पर ही अभद्रता करते हुए जान से मारने देने की धमकी देने लगा।

घोड़ेडीह गांव में गहमा-गहमी के बीच हुआ राशन आवंटन की दुकान का हुआ चयन

कोटे के चयन के दौरान जुटी लोगों की भीड़

करछना। विकास खण्ड करछना के घोडेडीह ग्राम पंचायत मे कई महीनो से निर्लंबित चली आ रही राशन आंवटन की दुकान की प्रक्रिया का शनिवार को हुई खुली बैठक मे गाव की एक दलित महिला के नाम आंवटन किया गया। खुली बैठक मे बडी सख्या मे महिलाओ और ग्रामीणो ने प्रधान के ऊपर शौचालय. आवास पात्र लाभार्थियो से धन उगाही करने व गांव के विकास मे व्यापक पैमाने पर की गई अनियमितता सहित कई गभीर आरोप भी लगाये। चुनावी प्रक्रिया के तहत सावित्री देवी पत्नी लवकुश राशन आंवटन की दुकान का चयन किया गया।इस मौके पर उपस्थित एडीओ अमित अग्रवाल सेक्टर प्रभारी विजय शकर यादव छोटेलाल शर्मा,घनश्याम तिवारी मनीष पाडेय राम सिह और चौकी भीरपुर की पुलिस भी मौजूद रही।

सहकारी समिति के पूर्व निदेशक के देहांत पर शोक

नैनी। धनुहा क्षेत्रीय सहकारी समिति लिमिटेड डांडी के पूर्व निदेशक रामानंद कुशवाहा (82) की लंबी बीमारी के बाद देहांत हो गया। शनिवार को डांडी स्थित मृतक के छोटे भाई भगवत कुशवाहा के घर पर समाजिक दूरी का पालन करते हुए एक शोक सभा का आयोजन किया गया। मौजूद लोगों ने मृतक के आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रख ईश्वर से प्रार्थना की। इस दौरान पूर्व राज्यपाल पंडित केशरी नाथ त्रिपाठी, पूर्वांचल विश्वविद्यालय व रीवा यूनिवर्सिटी के पूर्व वाइस चांसलर पियूष रंजन अग्रवाल, पूर्व प्रधान न्यायाधीश जिला न्यायालय अनिरुद्ध सिंह मौर्य, रणजीत सिंह, संत प्रसाद पांडेय ,सुभाष बाजपेई, बृजेश भारतीया आदि रहे।

बंदी के दिन अवैध शराब बेच रहे दो आरोपियों को आबकारी टीम ने दबोचा

हनुमानगंज। बीते शुक्रवार दो अक्टूबर शराब बंदी के दिन आबकारी टीम के फूलपुर सर्किल निरीक्षक विजय प्रताप यादव ने सरायइनायत थाना क्षेत्र के अंतर्गत कई संदिग्ध स्थानों पर छापेमारी की ताकि बंदी के दिन कोई अवैध शराब की बिक्री न हो सके। इसी दौरान हनुमानगंज स्थित एक केराने कि दुकान की गोमती में बेच रहे अवैध शराब के दो, अभियुक्तों को आबकारी टीम ने गिरफ्तार कर लिया। बता दें कि शराब बंदी के दिन फूलपुर सर्किल के आबकारी निरीक्षक टीम सहित क्षेत्र के हनुमानगंज बाजार, छिबैयाँ, कोटवाँ, पग्गल चौराहा, सहित कई संदिग्ध शराब के अड्डों पर छापेमारी के दौरान हनुमानगंज स्थित एक गोमती से अवैध शराब बिक्री करते पकड़े गए दीपचंद जायसवाल नि, हनुमानगंज, व जय जायसवाल, नि, कसेरुआ कला के पास से पुलिस ने 67, पौवा, देशी शराब विन्डीज लाइन ब्रांड बरामद किया। पुलिस के पूछने पर उपरोक्त अभियुक्तों ने बताया कि हमलोग ठेका से काफी मात्रा में देशी शराब खरीद कर स्टोर कर लेते हैं और उसे बंदी के दिन अधिक दामों में बेचा करते हैं। फूलपुर सर्किल निरीक्षक विजय प्रताप यादव तथा स्थानीय पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर चालान किया।

अवैध शराब संग आबकारी पुलिस की गिरफ्त में आरोपी

प्रयागराज हलचल

संक्षेप समाचार

गांधी जयन्ती भारतीय नागरिकों के लिए संकल्पना का दिनः डॉ उदय

प्रयागराज। गांधी जयंती भारत के नागरिकों के लिए संकल्पना का दिन है। देश का निर्माण नागरिकों की ईमानदारी, सहयोग की भावना, परस्पर प्रेम से होता है। देश के प्रति निरंतर ईमानदारी, कर्तव्य निष्ठा और अधिक कार्य सम्पन्न करने से होता है। यह बातें हिन्दुस्तानी एकेडेमी के अध्यक्ष डॉ. उदय प्रताप सिंह ने हिन्दुस्तानी एकेडेमी के तत्वावधान में शुक्रवार को 'गांधी जयंती' के अवसर पर एकेडेमी परिसर में ध्वजारोहण के उपरान्त कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने ह्यगांधी का भारतह्ण विषयक संगोष्ठी में कहा कि आज संकल्प का दिन है। गांधी ने आत्म निरीक्षण कर अपनी बुरी आदतों से मुक्ति की संकल्प लिया। हमें भी अपने कार्यों के प्रति ईमानदारी बरतनी चाहिए। वक्ता प्रो. बद्रीनारायण ने कहा कि गांधीजी के समय में भी महामारी का प्रकोप हुआ था और उस समय गाधी ने भी आपदा को अवसर में बदला था और वतर्मान में भी कोराना महामारी के आपदा समय में भी प्राकृतिक वस्तुओं के माध्यम से हम आत्मनिर्भर हो रहे हैं।

जिलाधिकारी ने कालिंदीपुरम में बनाये गये कोविड सेंटर का किया निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

प्रयागराज। जिलाधिकारी भानु चन्द्र गोस्वामी शनिवार को कालिंदीपुरम में बनाये गये कोविड सेंटर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वहां पर साफ-सफाई तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के बारे में मरीजों से जानकारी ली। उन्होंने प्रत्येक मरीजों से खाने-पीने तथा दवाओं आदि की जानकारी ली, जिस पर वहां के मरीजों ने संतोष जाहिर करते हुए व्यवस्थाओं की तारीफ की। जिलाधिकारी ने अस्पताल में भर्ती कोविड मरीजों के खान-पान सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की समुचित व्यवस्था बनाये रखने का निर्देश दिये है। उन्होंने कहा कि भर्ती मरीजों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कोविड केयर सेंटर में साफ-सफाई की निरंतर समुचित व्यवस्था बनाये रखने का भी निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि भर्ती मरीजों के लिए जो भी सुविधायें सुनिश्चित की गयी है, समय से मरीजों को उपलब्ध होती रहे, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाये।

कोविड सेंटर का निरीक्षण करते जिलाधिकारी व कोविड-19 की समीक्ष बैठक करते जिलाधिकारी

इसी क्रम में जिलाधिकारी ने मोती लाल नेहरू मेडिकल कालेज पहुंचकर कोविड-19 की समीक्षा बैठक की। जिलाधिकारी ने स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय में भर्ती कोविड मरीजों के अद्यतन स्वास्थ्य की जानकारी लेते हुए वार्ड प्रभारियों से भी व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। जिलाधिकारी ने प्रधानाचार्य से कहा कि चिकित्सालय में भर्ती हेतु आने वाले कोविड मरीजों को तत्काल अटेंड करते हुए उन्हें आवश्यकतानुसार सम्बंधित वार्ड में भर्ती कराकर उनका तत्काल समुचित उपचार सुनिश्चित किया जाता रहे। उन्होंने यह भी निर्देशित करते हुए कहा कि चिकित्सालय में भर्ती होने वाले कोविड मरीजों का भर्ती के बाद तत्काल एक्सरे करा लिया जाये और यदि आवश्यक हो तो उनका सीटी स्कैन भी समय से करा लिया जाये। जिलाधिकारी ने प्रधानाचार्य एवं सभी वार्ड प्रभारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि चिकित्सालय में भर्ती मरीजों को बेहतर ढंग से चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध रहे। बैठक में प्रधानाचार्य-श्री एस0पी0 सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी-श्री जी0एस0 वाजपेयी सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण मौजूद रहे।

जिले में 202 नए संक्रमित मरीज मिले, 341 हुए स्वस्थ

प्रयागराज। जिले में शनिवार को 341 कोरोना संक्रमित मरीजों ने कोरोना को अलविदा कहा और कोरोना से पूरी तरह से स्वस्थ हो गए। स्वस्थ होने वालों में 24 मरीज कोविड अस्पताल से डिस्चार्ज हुए व 317 कोरोना मरीजों का होम आइसोलेशन अवधि खत्म हुआ। कोरोना से ठीक होने वाले मरीजों की संख्या बहुत ज्यादा हो रही है। पिछले 24 घंटे में कोरोना के 202 नए कोरोना संक्रमित मरीज मिले हैं जबकि दो कोरोना मरीजों की मौत हो गई। कोरोना मरीजों की संख्या 19932 तक पहुंच गई है। मौजूदा समय में महज 2509 सक्रिय केस हैं उसमें भी ज्यादातर मरीज होम आइसोलेशन में ही हैं। सीएमओ डॉ. जीएस वाजपेयी ने बताया कि कोरोना के संक्रमण को फैलने से रोकने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। कोरोना मरीजों के इलाज व उनके खानपान की व्यवस्था में किसी तरह की लापरवाही न होने पाए। अस्पताल में साफ सफाई पर भी फोकस किया जाए। यह निर्देश जिलाधिकारी भानुचंद्र गोस्वामी ने कालिंदीपुरम कोविड केयर सेंटर के निरीक्षण के दौरान कही। इसी क्रम में जिलाधिकारी ने मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में समीक्षा बैठक की। स्वरूपरानी नेहरू कोविड अस्पताल के प्रत्येक वार्ड प्रभारियों से व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। जिलाधिकारी ने मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एसपी सिंह को निर्देशित किया कि कोविड अस्पताल में आने वाले मरीजों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराएं और उनका इलाज शुरू कराएं। इसके बाद एक्स-रे करा लें और जरूरत हो तो बिना किसी देरी के मरीज की सीटी स्कैन भी कराएं। अस्पताल में जो भी मरीज भर्ती हैं उनके देखभाल व इलाज में किसी तरह की उदासीनता न बरती जाए। मेडिकल कॉलेज में कोबास मशीन के लिए बनाए गए लैब के बारे में जानकारी ली। इस मौके पर सीएमओ डॉ. जीएस वाजपेयी, उप प्राचार्य डॉ. वीके पांडेय, सह नोडल डॉ. सुजीत वर्मा, उप अधीक्षक गौतम त्रिपाठी डॉ. कमलेश सोनकर समेत अन्य अन्य जिम्मेदार अधिकारी मौजूद रहे।

निदेशक आई0टी0 ने निर्वाचक नामावली एवं ई0आर0ओ0 नेट के सम्बन्ध में किया समीक्षा बैठक

अधिकारियों संग समीक्षा बैठक करते निदेशक आई0टी0

प्रयागराज। भारत निर्वाचन आयोग के श्री अशोक कुमार, निदेशक आई0टी0 द्वारा शनिवार को निर्वाचक नामावली एवं ई0आर0ओ0नेट के सम्बन्ध में जनपद में अवस्थित समस्त विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के साथ सर्किट हाउस में समीक्षा बैठक की गयी। समीक्षा में उनके द्वारा निर्देशित किया गया कि जनपद का वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार जेण्डर रेशियो 902 है, जबकि वर्तमान में मतदाताओं का जेण्डर रेशियों 832 है। आगामी पुनरीक्षण में महिलाओं के रजिस्ट्रेशन पर अधिक ध्यान दिया जाय तथा वर्तमान में ई0पी0 रेशियो लगभग 65 है, इसे भी ठीक करना अत्यन्त आवश्यक है। पुनरीक्षण पूर्व कार्यवाहियों में सर्वप्रथम डेमोग्राफिकल इन्ट्रीज (डी0एस0ई0), लॉजिकल एरर एवं एन0वी0एस0पी0 के माध्यम से ऑनलाइन तथा ऑफ लाइन ई0आर0ओ0 कार्यालय में निरन्तर पुनरीक्षण अवधि में प्राप्त हो रहे फार्म-6, 7, 8 व 8ए का गुणवत्तापरक निस्तारण पूर्ण कर लिया जाय। इसके अतिरिक्त मतदाताओं द्वारा डुप्लीकेट फोटो पहचान पत्र हेतु कामन सर्विस सेन्टर (सी0एस0सी0) के माध्यम से प्राप्त फार्म-01 का तत्काल निस्तारण सुनिश्चित किया जाय साथ ही मतदाताओं को सुविधा जनक रूप से फोटो पहचान पत्र प्राप्त हो सके। ई0आर0ओ0 नेट पर आने वाली तकनीकी समस्याओं का भी निवारण किया गया। सभी उपस्थित ई0आर0ओ0/ए0ई0आर0ओ0 एवं वी0आर0सी0 आपरेटर पूर्ण मनोयोग एवं निष्ठा के साथ निर्वाचक नामावली को अधिकतम शुद्ध बनाये जाने की कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये गये। बैठक में जनपद के उपजिलाधिकारी, अपर नगर मजिस्ट्रेट, सहायक निर्वाचन अधिकारी-के0के0 वाजपेयी सहित सम्बंधित अधिकारीगण मौजूद थे।

योगी को मठ में भजन कीर्तन के लिए भेजेगी कांग्रेस : त्रिपाठी

प्रयागराज। संगठन सृजन अभियान के तहत हण्डिया ब्लॉक की बैठक शनिवार को प्रदेश उपाध्यक्ष व पूर्व विधायक ललितेशपति त्रिपाठी ,महासचिव मासूक खान, प्रदेश सचिव उज्ज्वल शुक्ला ने जिला कांग्रेस कमेटी गंगापार की समीक्षा बैठक करके संगठन की मजबूती के लिए कार्यकर्ताओ की नब्ज टटोली ।

बतौर मुख्यातिथि प्रदेश उपाध्यक्ष ललितेशपति त्रिपाठी ने कहा कि प्रदेश की योगी सरकार के खिलाफ जनता में आक्रोश है प्रदेश की जनता कांग्रेस की तरफ उम्मीदभरी निगाहों से देख रही है । हमे 60 हजारों गांवों में संगठन खड़ा करना है । जिलें एक हजार निष्ठावान कार्यकर्ताओ की जरूरत है हमें एकजुट होकर राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी के निर्देश और प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू जी के निर्देश पर मठ चलने वालें मुख्यमंत्री को उनके मठ में भजन कीर्तन करने के लिए भेजकर ही दम लेना है ।

प्रदेश महासचिव माशूक खान ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अत्याचारी और बलात्कारियों को संरक्षण देन वाली सांप्रदायिक बीजेपी की सरकार से कोई सीधे टकराने की हिम्मत रखता है तो वह सिर्फ कांग्रेस पार्टी है । अल्पसंख्यक की लड़ाई भी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू लड़ रहे है। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा कि अखिलेश यादव अपनी पार्टी के अल्पसंख्यक नेता आजम खां की लड़ाई ही नही लड़ पाए तो जनता की लड़ाई क्या लड़ेंगे ?

बैठक के पश्चात जिलाध्यक्ष रामकिशुन सिंह पटेल व अन्य

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष रामकिशुन पटेल ने तथा संचालन दयाराम मिश्र ने किया। बैठक में मुख्य रूप से उपाध्यक्ष ओम प्रकाश तिवारी, जिला प्रवक्ता डॉ अजय प्रकाश सरोज, कोषाध्यक्ष दीपचंद्र तिवारी, महासचिव बलराम बिंद , सन्तोष सिंह,अशोक मिश्रा , जिला सचिव दिवाकर भारतीय, मन्नान अंसारी, अजीत भारतीय, मंगली प्रसाद कुशवाहा, गीता भारती ,कांग्रेस नेता अनिल पांडेय, सुरेश यादव, सलीम अख्तर, इरसाद अहमद, महेश शुक्ला, मो.सलाम, लवकुश मिश्र, बृजेश सिंह, आदि पदाधिकारी एवं कार्यकता उपस्थित रहे।

प्रयागराज जंक्शन पर दोनों साइड से निकास

प्रयागराज। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए गाड़ी 02404 और 02418 से उतरने वाले यात्रियों के लिए निकास अब सिविल लाइन के आलावा सिटी साइड से भी कर दिया गया है। यह व्यवस्था 04 अक्टूबर से लागू हो जाएगी। यह जानकारी जनसम्पर्क अधिकारी केशव त्रिपाठी ने देते हुए बताया है कि प्रयागराज जंक्शन पर आने वाली ट्रेन 02404 जयपुर-प्रयागराज और ट्रेन 02418 का प्रयागराज आगमन प्लेटफार्म एक पर होता है। इन से आने वाले यात्रियों का निकास अन्य गाड़ियों की तरह पहले सिर्फ सिविल लाइन की तरफ ही था। बाहर निकलने वाले यात्रियों के लिए सिटी साइड में प्रवेश गेट से अलग दूसरे गेट से व्यवस्था की गई है। साइड एक होते हुए भी निकास और प्रवेश अलग अलग गेटों से होगा। अब उक्त दोनों गाड़ियों के यात्रियों का निकास सिविल लाइन और सिटी साइड दोनों तरफ होगा।

नई शिक्षा नीति में नवीनता व्यापकता उदारता व आत्मनिर्भरता है

प्रयागराज। शिक्षा की जीर्ण-शीर्ण इमारत का पुनरूद्धार होने का वह बहुप्रतीक्षित क्षण आज 34 वर्षों बाद आ ही गया। अंग्रेजों के समय से चली आ रही घिसी-पिटी परिपाटी को तोड़कर नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने शिक्षा का एक नया ढांचा प्रस्तुत किया गया है। इसमें नवीनता के साथ व्यापकता भी है। गरीब छात्र-छात्राओं के प्रति उदारता भी है और उनके भविष्य को संवारने, उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का सपना भी है। यह बातें प्रयागराज के लालगंज, बिहार स्थित राजकीय बालिका इण्टर कालेज की वरिष्ठ शिक्षिका रंजीता गुप्ता ने वार्ता के दौरान कहा कि शिक्षा के इस नवीन उद्यान में मातृभाषा के आंगन में भारत का भविष्य पुष्पित व पल्लवित होगा और विकास के सर्वांगीण लक्ष्य को निःसंदेह प्राप्त करेगा। वर्तमान की आवश्यकताओं के अनुरूप इसमें बाल्यावस्था की नींव को मजबूत करने का आधार प्रदान किया है। बाल्यावस्था के विकास को दृष्टिगत रखते हुए एक नवीन पाठ्यक्रम की रचना का संकल्प लिया गया है। निःसंदेह राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारतीय शिक्षा के इतिहास में मील का पत्थर साबित होगी। जो भारत को आत्मनिर्भर और विश्व में अग्रणी बनाएगी।

अखण्ड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम कियायोग आश्रम एवं अनुसंधान सस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम

पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं0: UPHIN2001/9025

आदर्श वॉलीबाल क्लब उरूवा बना विजेता

विजेता को ट्राफी प्रदान करते हुए

प्रयागराज। जमुनापार जागृति मिशन के सौजन्य से जिले के जमुनापार क्षेत्र में वालीबाल खेल की कई प्रतियोगिताएं आयोजित करके ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से मिशन ने जिला वालीबाल संघ प्रयागराज के सहयोग से जमुनापार वालीबॉल लीग की शुरूआत की। जिसमें शनिवार को आदर्श वॉलीबाल क्लब उरूवा विजेता बना।

प्रथम श्रृंखला स्थानीय क्षेत्रीय वालीवाल स्टेडियम सोरांव, मेजारोड के सार्वजनिक खेल मैदान पर हुई। जिसमें कुल 15 टीमों ने हिस्सा लेकर अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के प्रथम श्रृंखला का फाइनल मुकाबला आदर्श वालीबॉल क्लब उरुवा और सरदार पटेल क्लब बरहा कला के बीच खेला गया। जो काफी रोमांचक रहा। जिसमें आदर्श क्लब अरई ने सरदार पटेल क्लब को 25-21 और 25-19 अंकों से हराकर चल वैजयंती (ट्राफी) जीत ली। उक्त प्रतियोगिता में बी.एन.पी त्रिपाठी, मुकेश शुक्ला, प्रभाकर चैबे, आशीष द्विवेदी, अभिषेक सिंह आदि ने निर्णायक की भूमिका अदा की। आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं अधिवक्ता राहुल द्विवेदी ने विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष वाई.एन सिंह ने समारोह की अध्यक्षता एवं संचालन आर.पी शुक्ला ने किया। आयोजन समिति की ओर से आयुष द्विवेदी, असफाक अहमद, सुमित मिश्रा, अंकित विश्वकर्मा, आदर्श द्विवेदी, कार्तिकेय तिवारी आदि ने माल्यार्पण के साथ अतिथियों का स्वागत किया।

हाथरस की बेटी को न्याय दिलाने के लिए भाजपा के राष्ट्रीय सचिव का विरोध कर रहे सपाईयों को जेल

प्रयागराज। हाथरस की बिटिया को न्याय दिलाने, एवं प्रशासन द्वारा विपक्ष के नेताओं को घटनास्थल पर जाने से नाराज सपा कार्यकर्ताओं ने आज भाजपा के राष्ट्रीय सचिव एवं सांसद विनोद सोनकर का सर्किट हाउस में पहुंचने पर विरोध प्रदर्शन किया ' इस दौरान भाजपाई मारपीट पर उतारू हो गए ' मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने उल्टे सपाईयों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

सपा की युवा नेत्री विश्वविद्यालय में शोध छात्रा कु. नेहा यादव, राहुल पटेल, शिव यादव, निर्मलायादव , हिमांशु मिश्रा, मोहित यादव एवं हिमांशु यादव को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। लोकतांत्रिक तरीके से विरोध प्रदर्शन कर सपाईयों को जेल भेजे जाने की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए सपा के जिलाध्यक्ष योगेश चन्द्र यादव एवं महानगर अध्यक्ष सैयद इफ्तेखार हुसैन, जिला प्रवक्ता दान बहादुर मधुर ने कहा है कि भाजपा तानाशाही के बल पर विपक्षी दलों की आवाज को दबाना चाहती है। समाजवादीपार्टी के लोग संघर्ष में पीछे हटने वाले नहीं हैं।

अन्तर्राज्यीय साइवर क्राइम करने वाला अपराधी गिरफ्तार, दस लाख रूपया बरामद

प्रयागराज। अन्तर्राज्यीय साइवर क्राइम गिरोह का खुलासा करते हुए शनिवार को प्रयागराज साइवर टीम ने एक अपराधी को गिरफ्तार किया और उसके खाते से दस लाख रूपया बरामद कराया। टीम ने उसके सहयोगियों के खाते को सीज करा दिया है। गिरोह में सक्रिय तीन आरोपितों की तलाश जारी है।

उक्त जानकारी देते हुए पुलिस महानिरीक्षक प्रयागराज परिक्षेत्र कविन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि बिहार के जमुई जनपद के मोनो थाना क्षेत्र में स्थित असहना गांव निवासी सर्वेश सिंह पुत्र वृजनन्दन को गिरफ्तार किया है। उसके खाते से आनलाइन ठगी किया गया दस लाख रूपया टीम ने पीड़ित महिला के खाते में वापस कराया। गिरोह के सक्रिय सदस्य बिहार के जमुई निवासी राजेश सिंह, रूपेश कुमार पुत्र मनोज राय, भूना मांझी की तलाश जारी है। उन्होने बताया कि सिविल लाइंस आईसीआई बैंक की खाता धारक पीड़ित महिला श्रीमती हर्ष तलुजा की तहरीर पर आईटी एक्ट के तहत पंजीकृत किया गया था। मामले की विवेचना प्रयागराज साइवर टीम प्रभारी राजीव कुमार तिवारी व उनकी टीम को लगाया गया था। उक्त मामले का खुलासा करते हुए सर्वेश सिंह को उसके घर से गिरफ्तार किया गया। उक्त कार्रवाई प्रदेश के 18 परिक्षेत्र में साइवर क्राइम रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस महानिरीक्षक साईबर क्राइम उत्तर प्रदेश राम कुमार के निर्देश पर प्रयागराज साइवर क्राइम थाने में अभियोग पंजीकृत करके जांच की जा रही थी। जिसके तहत आज एक अन्तर्राज्यीय साइवर क्राइम गिरोह का खुलासा हुआ। गिरोह के सदस्य बिहार, उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न प्रदेशों में सक्रिय है। बैंक खातों से केवाईसी अपडेट करने के नाम पर आनलाइन जनता के पैसो को लूटने का काम कर रहा था। गिरोह के सभी सदस्यों के खातों को बन्द करा दिया गया है।

मिलिट्री हॉस्पिटल में प्लाज्मा दान शिविर आयोजित

प्रयागराज। प्रयागराज के ब्लड बैंक डिपार्टमेंट ऑफ मिलिट्री हॉस्पिटल में शनिवार को प्लाज्मा दान शिविर का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन मेजर जनरल आई.एम लांबा, जनरल ऑफिसर कमांडिंग पीयूपी और एमपी सब एरिया ने किया।

रक्षा मंत्रालय प्रयागराज के विंग कमांडर शैलेन्द्र पाण्डेय ने बताया कि कोविड 19 महामारी इस वर्ष एक वास्तविक सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल रहा है। नए वायरल रोग के साथ मामलों और उपचार प्रोटोकॉल की स्क्रीनिंग एक चुनौती रही है। अच्छे परिणामों के साथ कई केंद्रों पर प्लाज्मा थेरेपी की कोशिश की जा रही है। जिसके क्रम में उक्त कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने बताया कि शिविर में ब्रिगेडियर संदीप भंडारी, वीएसएम, कमांडेंट, मिलिट्री हॉस्पिटल इलाहाबाद, डॉ.वत्सला मिश्रा, एचओडी पैथोलॉजी विभाग और डॉ.रवि रानी मिश्रा, ट्रांसफर मेडिसिन विभाग, एमएलएन मेडिकल कॉलेज प्रयागराज के साथ संयुक्त रूप से आयोजना बनाई गई थी।

प्लाज्मा दान करते सेना के जवान

श्री पाण्डेय ने बताया कि रक्तदान शिविर सशस्त्र बलों और सरकारी मेडिकल कॉलेज प्रयागराज के बीच एक सफल सहयोग था। सेवारत सशस्त्र सेना के जवानों ने गंभीर रूप से कोविड 19 रोगियों के जीवन को बचाने के लिए अपना प्लाज्मा दान किया था। मेजर जनरल आई.एम लांबा ने दाताओं को प्रेरित किया और कोरोना महामारी के खिलाफ लड़ने के उनके प्रयास में अस्पताल की सराहना की।

परमहंस योगानंद ने

महात्मा गांधी को क्रियायोग में दीक्षित किया

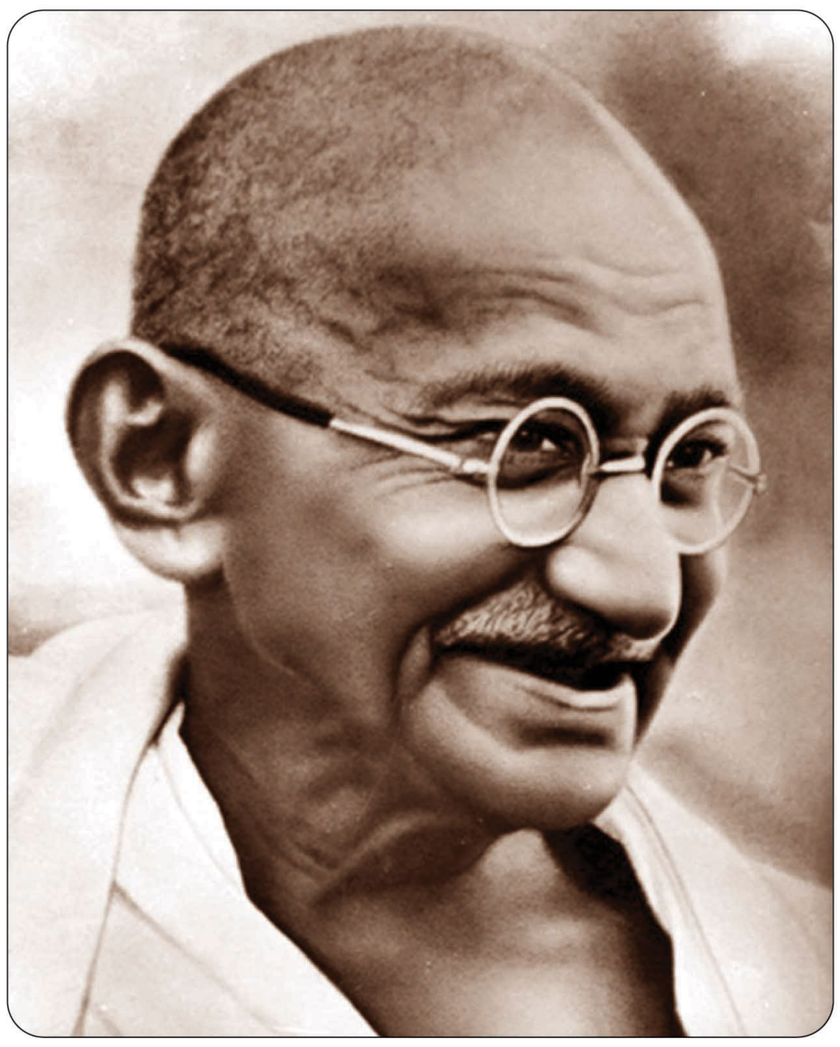

वर्धा में महात्मा गांधी के साथ - परमहंस योगानंद द्वारा एक योगी की आत्मकथा के अंश - अध्याय ४४

अगस्त 1935 को अमेरिका से वापस लौटते समय परमहंस योगानन्द जी महात्मा गांधी जी से मिलने वर्धा गये थे। गांधीजी ने लाहिड़ी महाशय के क्रियायोग की दीक्षा लेने की इच्छा प्रकट की थी। महात्मा जी की खुली मनोवृत्ति और जिज्ञासा देखकर मैं अभिभूत हो गया। अपनी ईश्वर-आराधना में वे बच्चों के समान है और उस विशुद्ध ग्रहणशीलता को प्रकट करते हैं, जिसकी बच्चों में प्रशंसा करते हुए ईसा मसीह ने कहा था: "... स्वर्ग का राज्य ऐसों का ही है।"

क्रिया का उपदेश देने के लिये मैंने जो समय निर्धारित किया था, वह आ गया; अब श्री देसाई, डॉ. पिंगले सहित क्रिया प्रविधि जानने की इच्छा रखने वाले कुछ अन्य सत्याग्राही भी कमरे में दाखिल हो गये। मैंने पहले उन सब को क्रियायोग की रिचार्जिंग की प्रविधि सिखाये। इस में शरीर को मन की आँख से 20 भागों में विभाजित देखा जाता है और फिर अपनी इच्छाशक्ति से एक-एक करके इस प्रत्येक भाग में शक्ति संचार कराया जाता है। शीघ्र ही वहाँ उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति मेरे सामने मानव-मोटर की तरह थरथराने लगा। गांधीजी के शरीर के लगभग सदा ही दृष्टि के सामने खुले रहने वाले 20 भागों में शक्ति की थरथराहट की लहरों को देखना आसान था। वे बहुत दुबले-पतले तो हैं, परन्तु इतने भी नहीं कि देखने में अच्छे न लगें। उनकी त्वचा चिकनी है और उस पर कोई झुर्रियाँ नहीं पड़ी है।

बाद में मैंने उन सब को क्रियायोग की मुक्तिदायिनी विधि की दीक्षा दी। गांधीजी ने विश्व के सारे धर्मों का श्रद्धाभाव के साथ अध्ययन किया है। जैन शास्त्र, बाइबिल के नये नियम और टालस्टाय का समाजशास्त्रीय साहित्य गांधीजी के अहिंसा सिद्धान्त के मुख्य प्रेरणा स्रोत हैं। उन्होंने अपने विश्वास के बारे में इस प्रकार लिखा है:

मैं बाइबिल, कुरान और जेन्ड-अवस्ता को वेदों के समान ही ईश्वर-प्रेरित मानता हूँ। मैं गुरु परम्परा में विश्वास करता हूँ परन्तु इस युग में लक्ष-लक्ष लोगों को गुरु के बिना ही काम चलाना पड़ेगा, क्योंकि किसी एक व्यक्ति में परिपूर्ण पवित्रता और परिपूर्ण ज्ञान का संयोग मिलना दुर्लभ है। परन्तु मनुष्य को यह सोचकर निराशा होने की आवश्यकता नहीं की वह अपने धर्म के सत्य को कभी जान नहीं पायेगा, क्योंकि हिंदू धर्म के और सभी महान धर्मों के मूल सिद्धान्त अपरिवर्तनीय और सहज समझने योग्य हैं।

प्रत्येक हिंदू की भाँति मैं भी ईश्वर और उसके एकत्व मैं, पुनर्जन्म और मुक्ति में विश्वास करता हूं...। अपनी पत्नी के प्रति अपनी भावना के समान ही हिंदुत्व के प्रति अपनी भावना का भी मैं वर्णन नहीं कर सकता। मेरे मन को जिस तरह से मेरी पत्नी प्रभावित कर सकती है, उस तरह संसार की अन्य कोई नारी कभी नहीं कर सकती। ऐसा नहीं है वे कि उसमें कोई दोष नहीं हैं, बल्कि मैं तो यह भी कहूँगा कि मैं उसमें जितने दोष हों. और कितनी ही त्रुटियाँ हों। गीता पाठ के या तुलसी रामायण के संगीत जैसा आनन्द मुझे और किसी बात में नहीं मिलता।

पाता हूं, उससे भी कहीं अधिक दोस्त उसमें होंगे। परंतु उसके प्रति एक अटूट बंधन का भाव मेरे मन में है। हिंदुत्व के प्रति और हिंदुत्व के बारे में भी ऐसा ही भाव मेरे मन में है, उसमें चाहे कितने भी दोष हो और कितनी ही त्रुटियाँ हों। गीता पाठ के या तुलसी रामायण के संगीत जैसा आनंद मुझे और किसी भी बात में नहीं मिलता। जब जब मुझे ऐसा लगा कि मैं अपनी अंतिम सांस ले रहा हूं, तब गीता ही मेरा आधार थी। हिंदू धर्म अन्य मार्गी धर्म नहीं है।इसमें संसार के सभी प्रेरित पैगंबरों और सन्त महात्माओं की पूजा के लिए जगह है। सामान्य अर्थ में यह मिशीनरी धर्म नहीं है। बेशक इसने अनेकानेक जनजाति, वंश, कुल अपने में समा लिये हैं, परन्तु यह जमाने की प्रक्रिया क्रमविकास की प्रक्रिया के अंतर्गत अनजाने में सम्पन्न हुई। हिंदू धर्म शिक्षा देता है कि प्रत्येक मनुष्य को अपने पथ या अपने धर्म के अनुसार ईश्वर की आराधना करनी चाहिये, और इसलिये किसी धर्म के साथ उसका कोई विरोध नहीं है।

PARAMAHANSA YOGANANDA INITIATED MAHATMA GANDHI INTO KRIYAYOGA

Excerpt from Autobiography of a Yogi by Paramahansa Yogananda -Chapter 44

In August 1935, when Paramahansa Yogananda ji returned to India from America, he met with Mahatma Gandhi ji in Wardha...

Gandhi had expressed a wish to receive the Kriya Yoga of Lahiri Mahasaya. I was touched by the Mahatma's open-mindedness and spirit of inquiry. He is childlike in his divine quest, revealing that pure receptivity which Jesus praised in children, "... of such is the kingdom of heaven."

The hour for my promised instruction had arrived; several satyagrahis now entered the room-- Mr. Desai, Dr. Pingale, and a few others who desired the Kriya technique.

I first taught the little class the physical Yogoda exercises. The body is visualized as divided into twenty parts; the will directs energy in turn to each section. Soon everyone was vibrating before me like a human motor. It was easy to observe the rippling effect on Gandhi's twenty body parts, at all times completely exposed to view! Though very thin, he is not unpleasingly so; the skin of his body is smooth and unwrinkled.

Later I initiated the group into the liberating technique of Kriya Yoga.